

मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 2

CVG-003

वैदिक गणित में प्रमाण-पत्र (सी. वी. जी.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2025

सी.वी.जी.-003 : वैदिक बीजगणित

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. बीजगणित की परिभाषा देते हुए उसकी उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास को समझाइए। 20
2. 'गुणित-समुच्चयः' तथा 'गुणक-समुच्चयः' दोनों सूत्रों की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 20
3. 3645×35 का रूप-गुणा विधि से तथा 125×15 का इष्ट-गुणा विधि से गुणा कीजिए। 20
4. वर्ग किसे कहते हैं ? 'समद्विघातः कृतिरुच्यते' इस सूत्र की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए। 20

A-105/CVG-003

P. T. O.

[2]

5. बीजगणित के क्षेत्र में योगदान देने वाले किन्हीं दो भारतीय आचार्यों का व्यक्तित्व एवं कृतित्व लिखिए। 20
6. निम्नलिखित श्लोक की उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए :20
- भक्तो गुणः शुध्यति येन तेन लब्ध्या च गुण्यो गुणितः फलं वा ।
द्विधा भवेत् रूपविभागः एव स्थानैः पृथग्वा गुणितः समेताः ॥

अथवा

स्व-स्वोपरिष्ठाच्च तथाऽपरेऽङ्काः त्यक्त्वा-अन्त्यमुपसार्य
पुनश्च राशिम् ।

खण्डद्वयस्याभिहतिर्द्विनिघ्नी तत्खण्डवर्गेक्ययुता कृतिर्वा ॥

× × × × ×